कोविड-19 लॉकडाऊन से देश के आंतरिक इलाकों पर असर

अध्ययन में सहयोगी संस्थाएं-

PRADAN, Action for Social Advancement, BAIF, Transform Rural India Foundation, Grameen Sahara, SAATHI-UP and The Aga Khan Rural Support Programme (India)

रिसर्च में सहयोग

VikasAnvesh Foundation and Sambodhi

सादर आभार

- सभी ग्रामीणो को जिनसे हमने अध्ययन के लिए संपर्क किया, जिन्होंने इन कठिन समय में अध्ययन को पूरा करने के लिए अपना बहुमूल्य समय और जानकारी दिया।

- सभी प्रमुख कार्मिकों, विशेषकर साझेदार संगठनों के फील्ड कर्मियों को कम समय के भीतर डेटा संग्रह सुनिश्चित करने के उनके असाधारण प्रयासों के लिए आभार।

- कोबो टूलबॉक्स के साथ अध्ययन में सहायता के लिए श्रीधर अनंथा को विशेष धन्यवाद जिनहोने साधन, प्रशिक्षण और बैक-स्टॉपिंग के डिजाइन में मुख्य रूप से सहयोग दिया।

VAF SAMBODHI

अध्ययन के मुख्य उद्देश्य

- ग्रामीण परिवारों पर COVID-19 लॉक डाउन के प्रभाव का मूल्यांकन।
- ग्रामीण परिवारों द्वारा किए जाने वाले विभिन्न तंत्र क्या हैं?
- सिविल सोसाइटी के संघ ने मूल्यांकन किया।
- मूल्यांकन के आधार :
- खाद्य सुरक्षा,
- खर्चे के तरीके में बदलाव ,
- खरीफ मौसम के लिए तत्परता,
- महिलाओं द्वारा कठिन परिश्रम,
- एसेट बिक्री आदि।

VAF SAMBODHI

भौगोलिक पहुँच

- **5162 परिवार , 12 राज्य , 47 जिले**
- **डाटा संग्रह 28 अप्रैल और 2 मई के बीच हुआ**

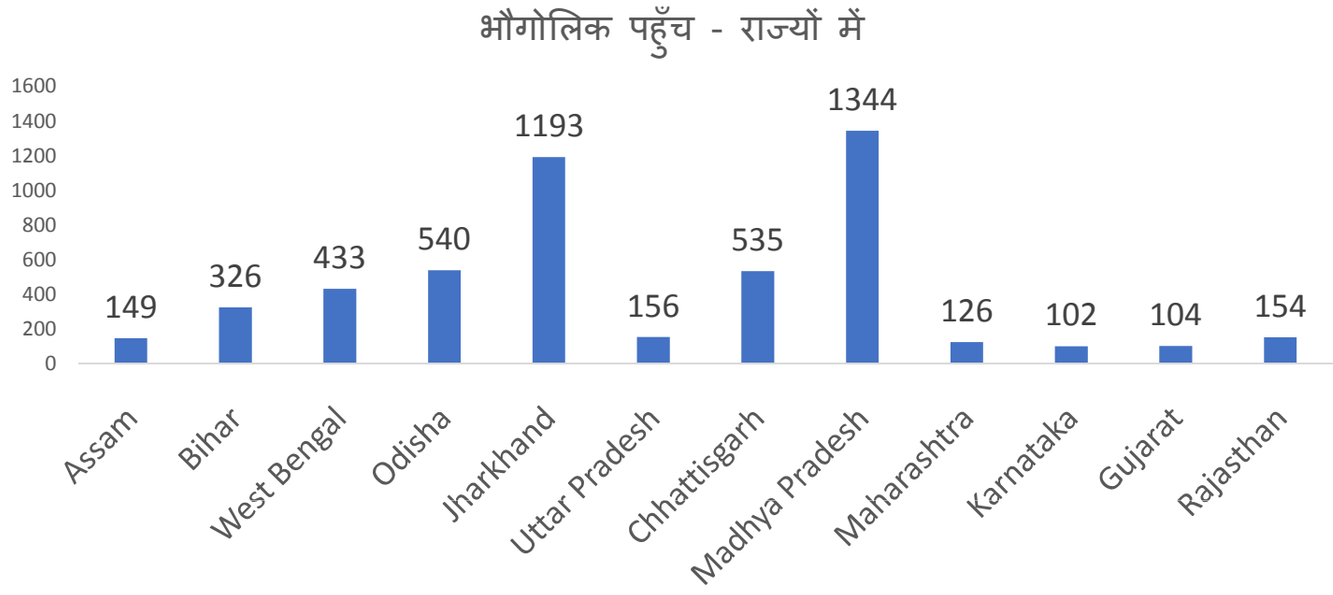

राज्य	जिले
असम	2
बिहार	4
छत्तीसगढ़	4
गुजरात	1
झारखंड	10
कर्नाटक	2
महाराष्ट्र	2
मध्य प्रदेश	10
ओडिशा	6
राजस्थान	1
उत्तर प्रदेश	2
पश्चिम बंगाल	3
कुल जिले	47

VAF SAMBODHI

सर्वेक्षण किए गए घरों के मुख्य बिन्दु

- **अधिकांश सर्वेक्षण किए गए परिवारों में प्रवासी सदस्यों का वापस लौटना बाकी है।**
- **सर्वेक्षण किए गए घरों के एक चौथाई से अधिक में आश्रित सदस्य होने की बात रिपोर्ट की गयी (छोटे बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली मां)।**

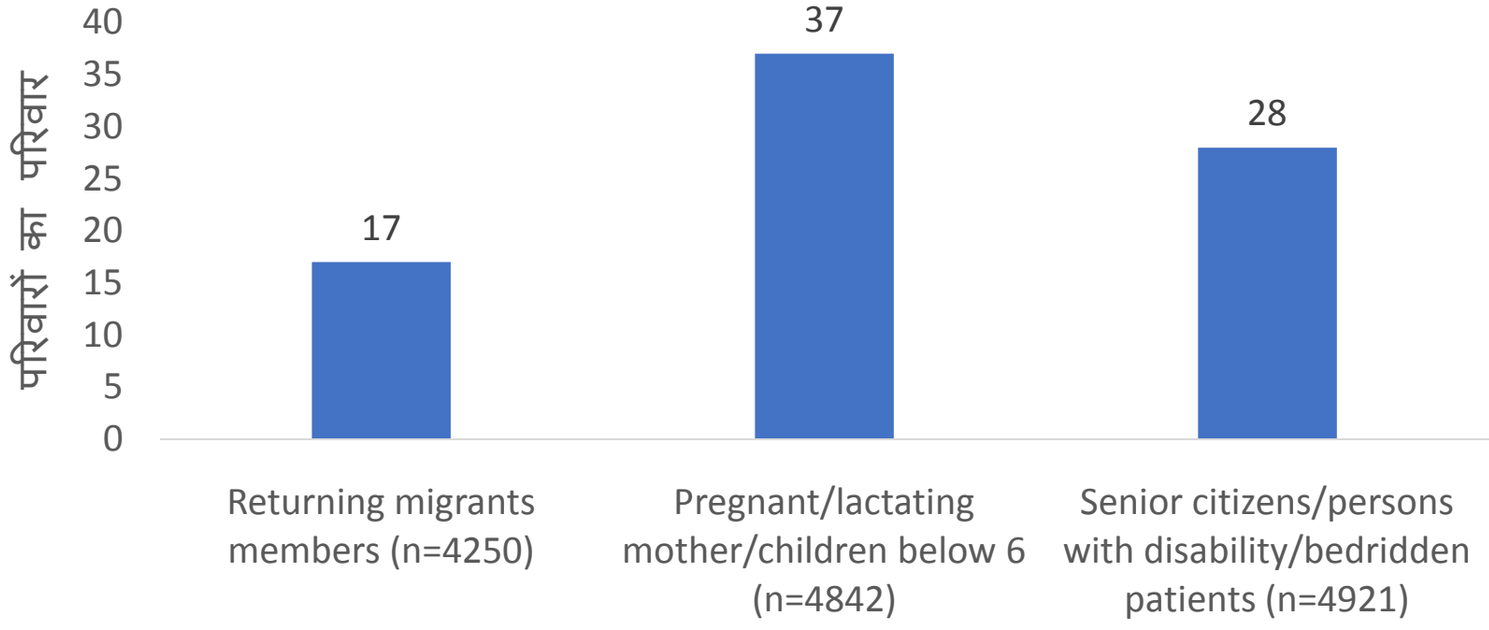

VAF SAMBODHI

घरेलू काम का भार

- पहले से ही घर में महिला सदस्यों के लिए परिवार के ही प्रवासियों के लौटने से कठिन परिश्रम है।
- केवल कुछ परिवारों में ही प्रवासी हैं – ज़्यादातर अब लौट रहे हैं / वापस लौटेंगे।

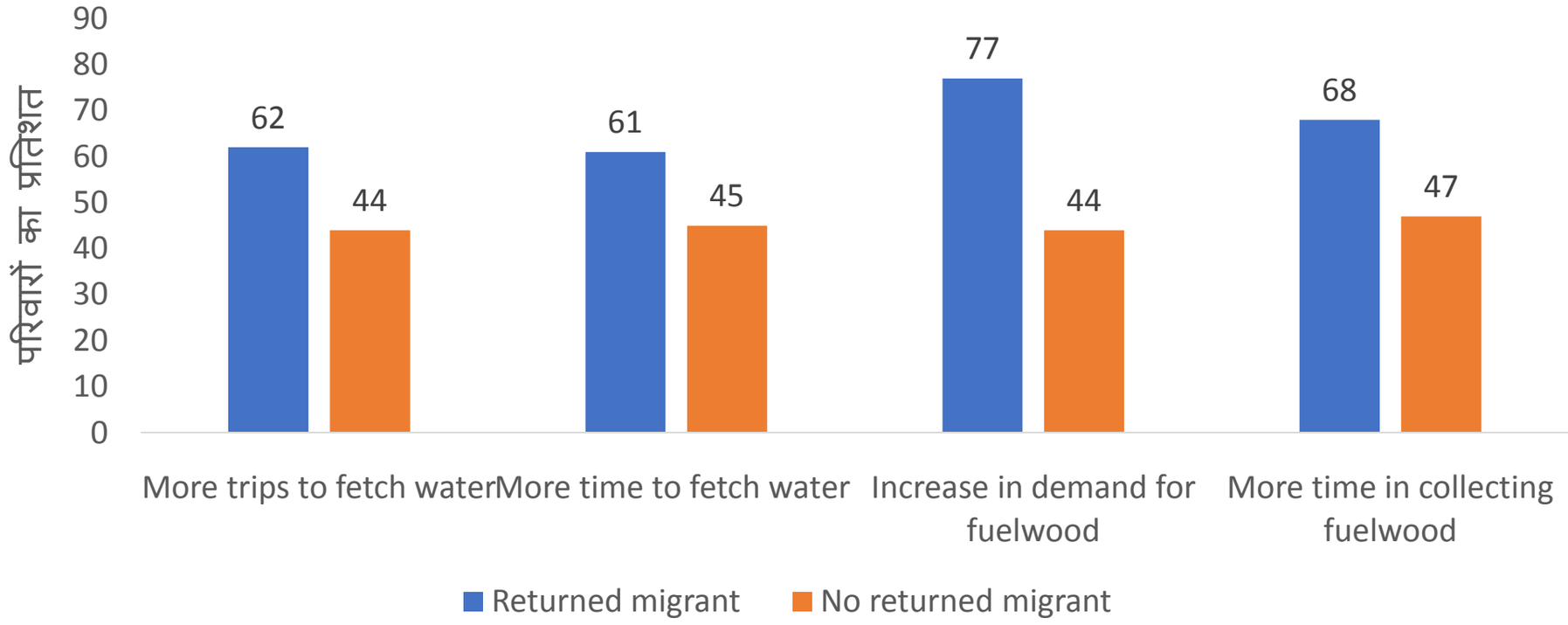

VAF SAMBODHI

मौजूदा खाद्य स्टॉक पर निर्भरता

- पिछले खरीफ मौसम से अभी तक से 1 / 3rd से अधिक परिवारों के फूड स्टॉक में अभी तक कोई बढ़त नहीं है ।
- आधे से अधिक परिवार भोजन के लिए रबी की उपज पर निर्भर नहीं हो सकते थे।
- लगभग 1 / 3rd ने बताया कि खरीफ स्टॉक केवल मई अंत तक चलेगा।
- खरीफ 2020 में पीडीएस के माध्यम से खाद्य प्रावधान और खाद्य फसल की खेती महत्वपूर्ण है

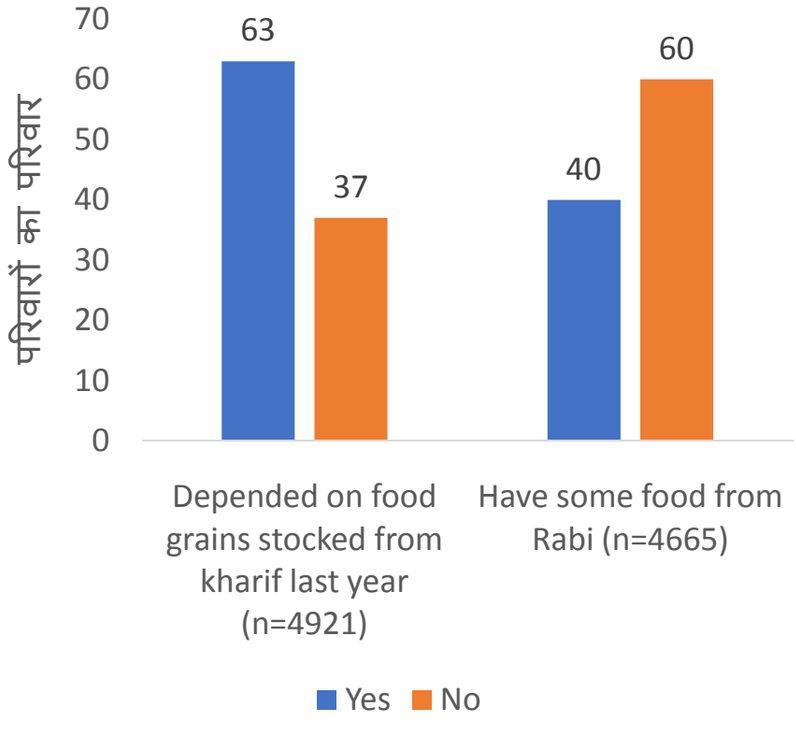

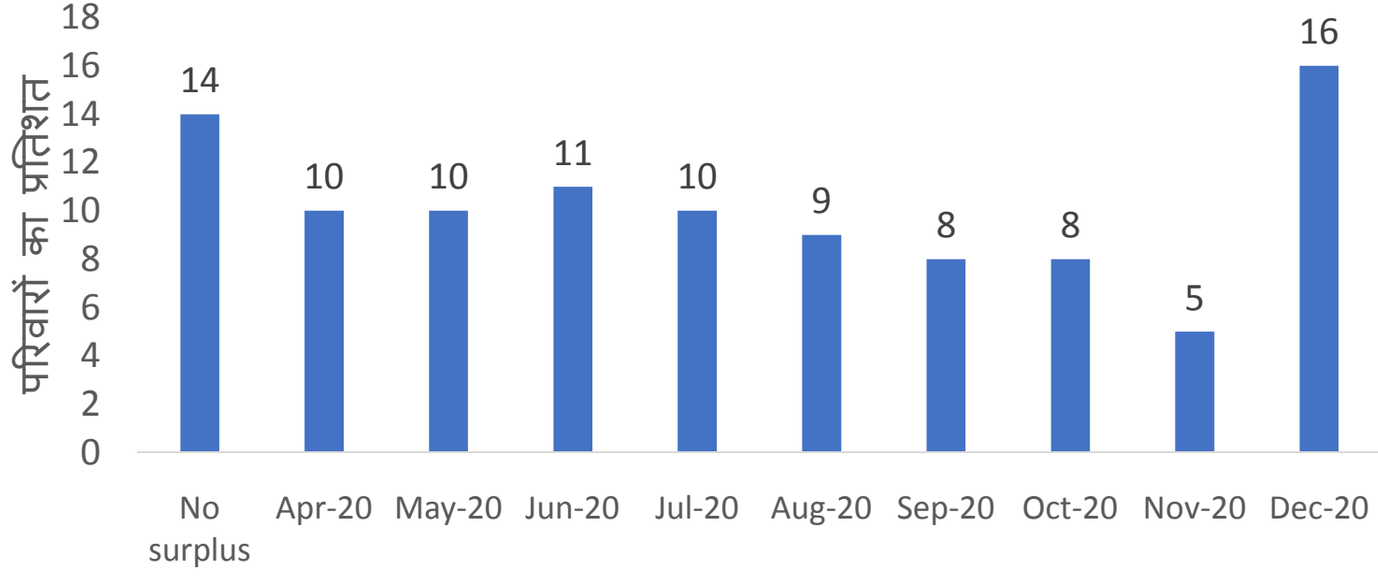

VAF SAMBODHI

खरीफ फसल 2020 के लिए तत्परता

- उत्तरदाताओं के 1 / 3rd से अधिक आगामी खरीफ के लिए बीज नहीं है
- 20% से कम केसीसी है।
- आधे से भी कम उत्तरदाताओं का मानना था कि उन्हें फसल ऋण मिलेगा
- आगामी खरीफ मौसम के लिए बीज और ऋण का प्रावधान - महत्वपूर्ण

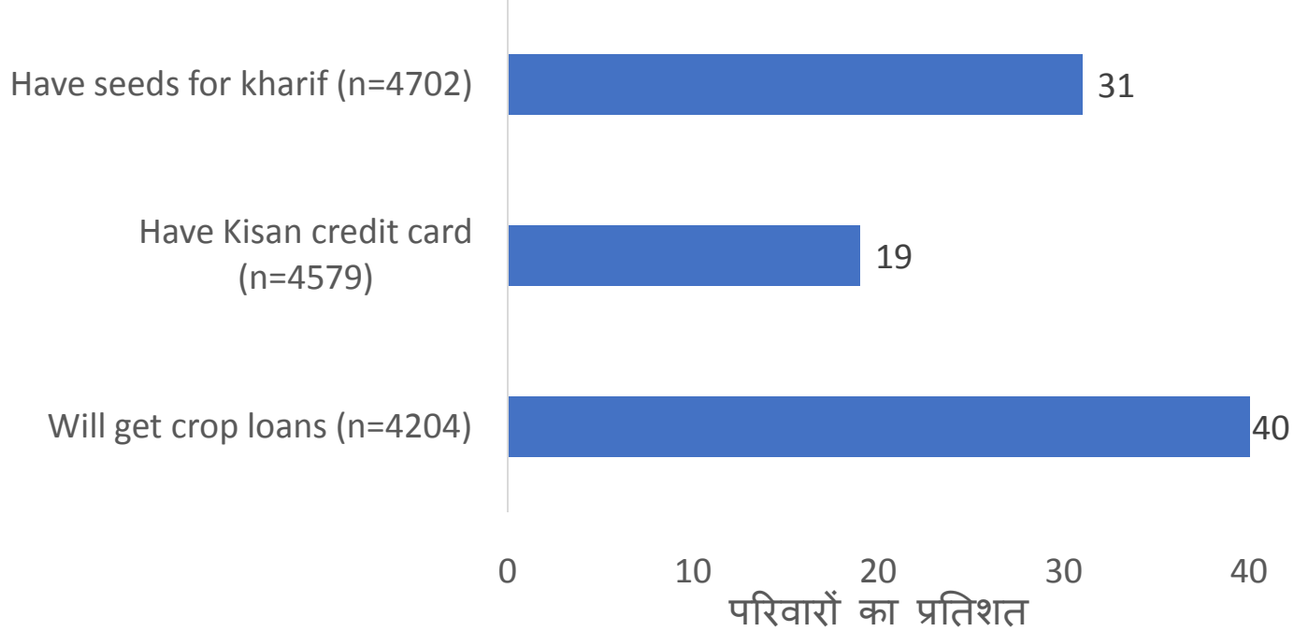

VAF SAMBODHI

प्रमुख आजीविका गतिविधियों से आय में कमी

- **लॉकडाउन और अफवाहों ने आय पर प्रभाव डाला है।**
- **23% परिवार दूध बेचते हैं, जिनमें से आधे ने बिक्री में कमी की सूचना दी है।**
- **56% परिवार मुर्गी पालन में हैं, जिनमें से 40% से अधिक की बिक्री में कमी आई है।**

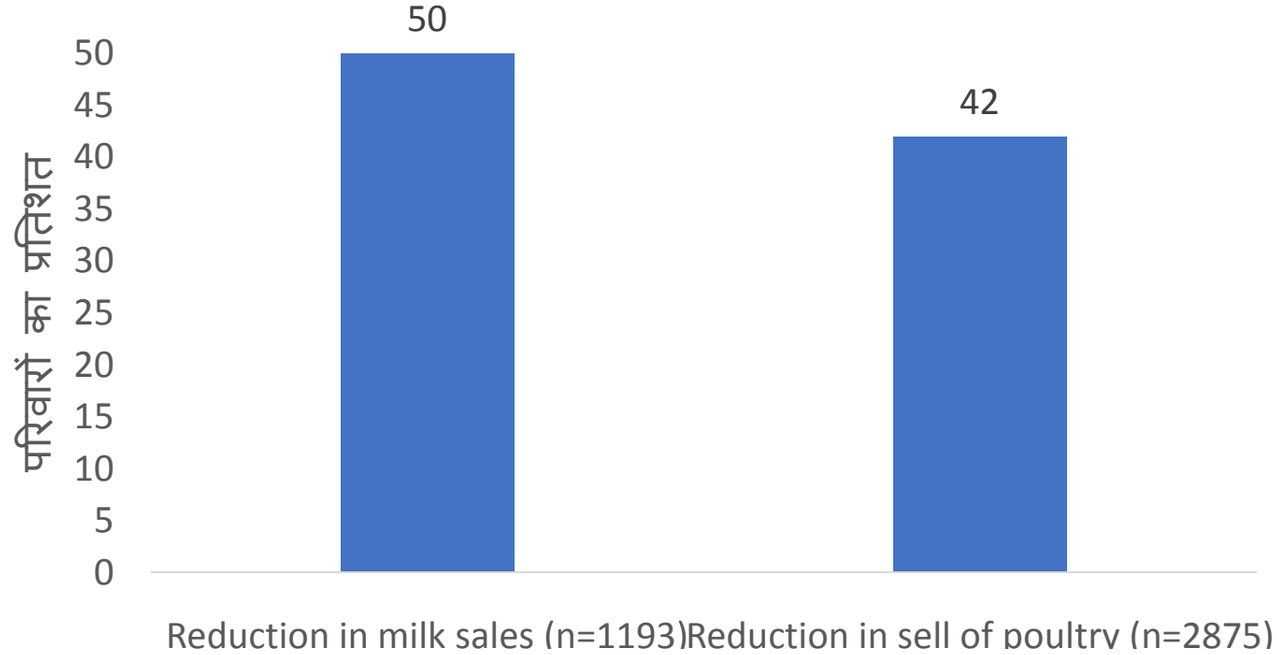

खाद्य सुरक्षा के लिए तत्काल सामंजस्य

- आधे से ज्यादा घर कम भोजन में कम सामान उपयोग कर रहे हैं और कई बार कम भोजन ले रहे हैं
- लगभग एक चौथाई गांव में लोग दूसरों से उधर ले कर काम चला रहे हैं
- पीडीएस - पात्र घरों में से 1/6 तक नहीं पहुंच रहा है

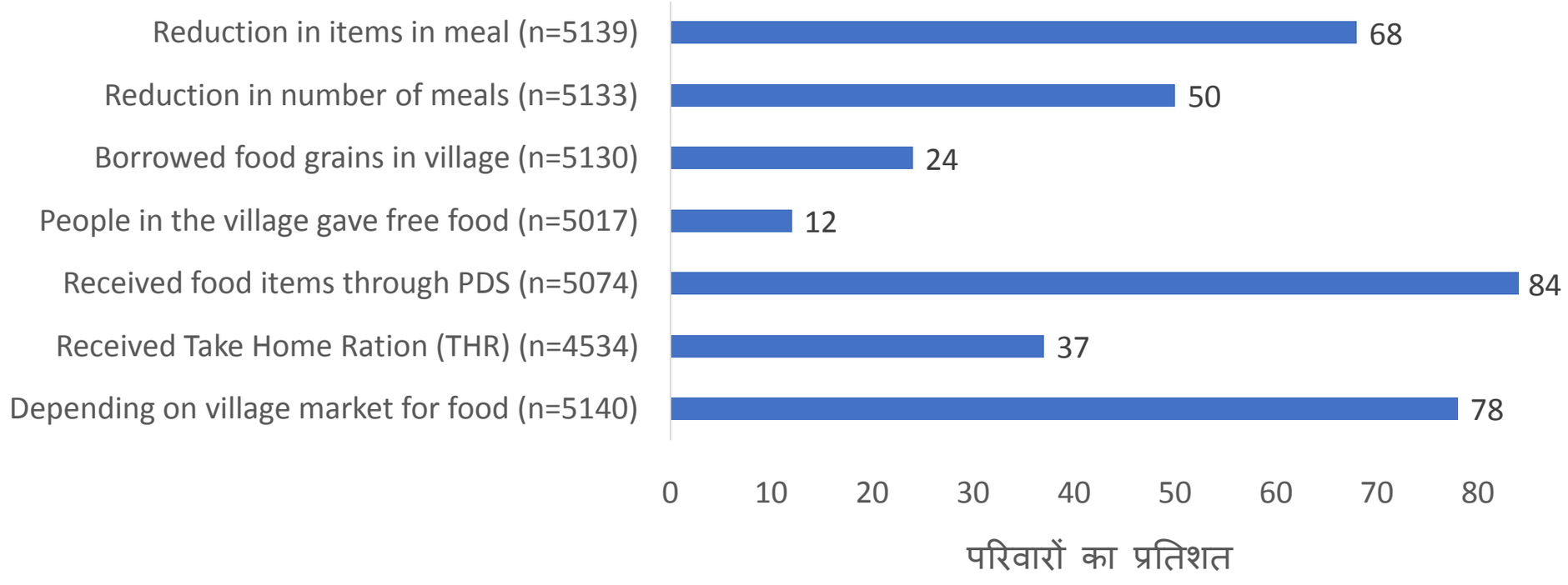

VAF SAMBODHI

गैर अनिवार्य खर्चों को कम करना

- उत्तरदाताओं में से लगभग 1 / 3rd ने बताया कि संभावना है कि बच्चे स्कूल जाना बंद कर देंगे
- लगभग एक चौथाई परिवारों द्वारा रिपोर्ट किया गया के समारोह में उपस्थिती और ख़रीदारी पर कमी की गयी है

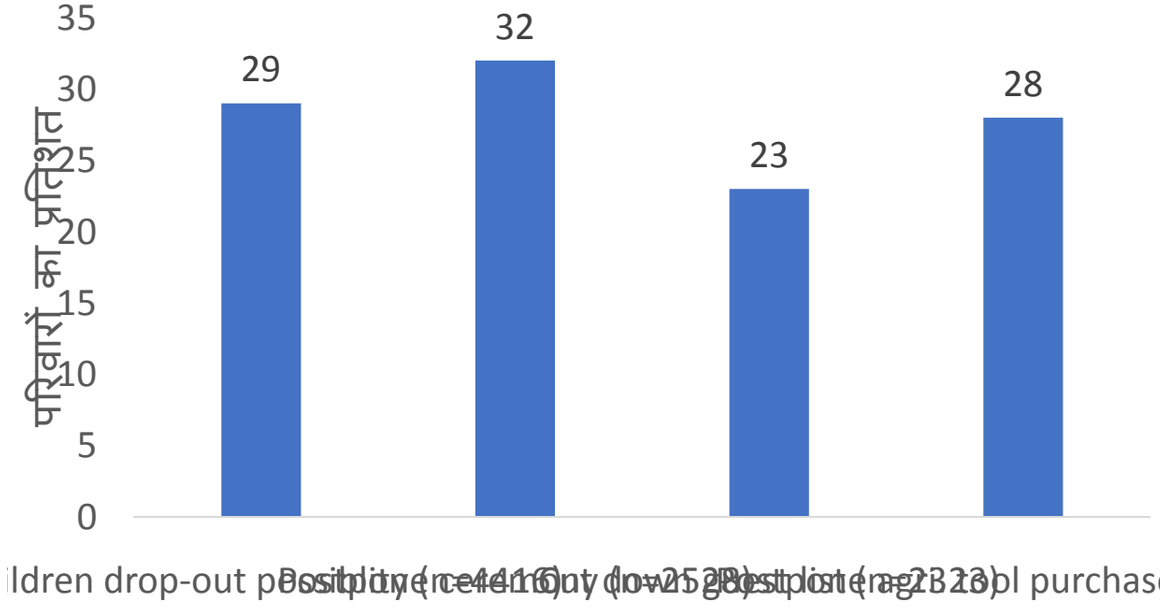

VAF SAMBODHI

एसेट्स की उधारी एवं उनको गिरवी रखना

- उधार लेने के लिए कम से कम 1 / 5th परिवार अपने परिवार के लोगों पर निर्भर हैं
- साहूकार से उधर लेने ई बात भी रिपोर्ट क गई
- ऋणीता में बढ़ोतरी भी रिपोर्ट की गई
- घरेलू वस्तुओं और संपत्तियों की बिक्री पहले से ही हो रही है

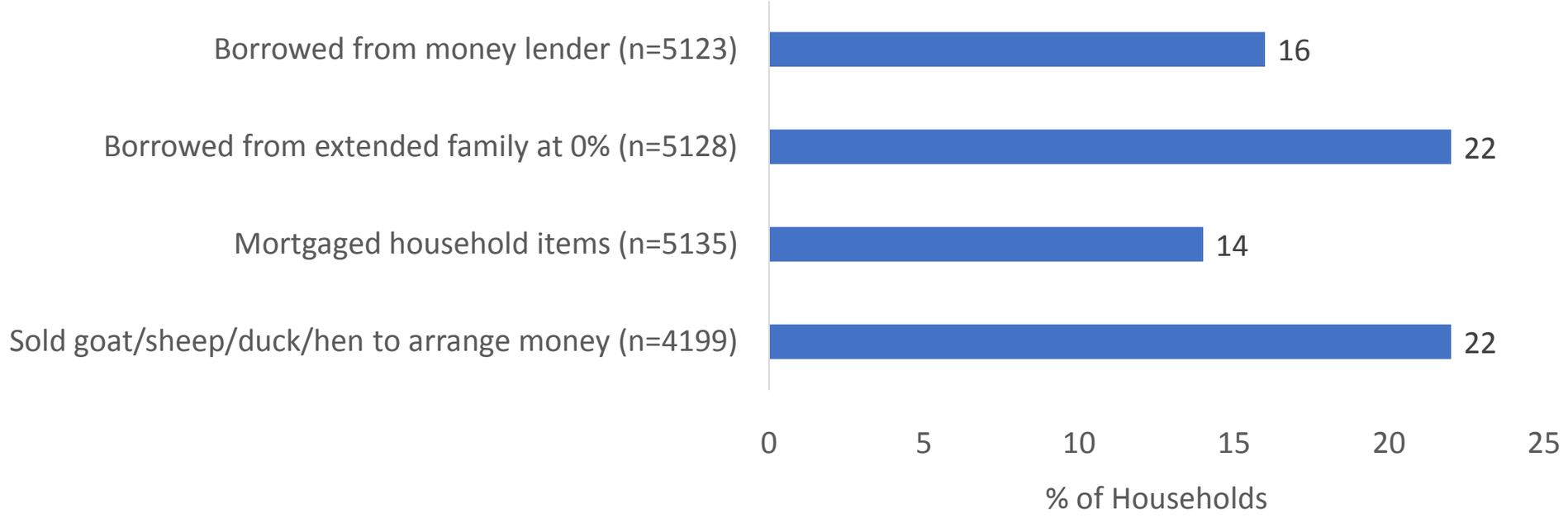

उत्पादक सम्पत्तियों की बिक्री

- परिवारों के आर्थिक स्तिथी पे लंबे समय तक प्रभाव रहेगा
- कम से का 3-5 % लोगों ने संपत्ति के बिक्री की बात कही
- लंबे समय तक तनाव की बात/ अभिव्यक्ति रखना।

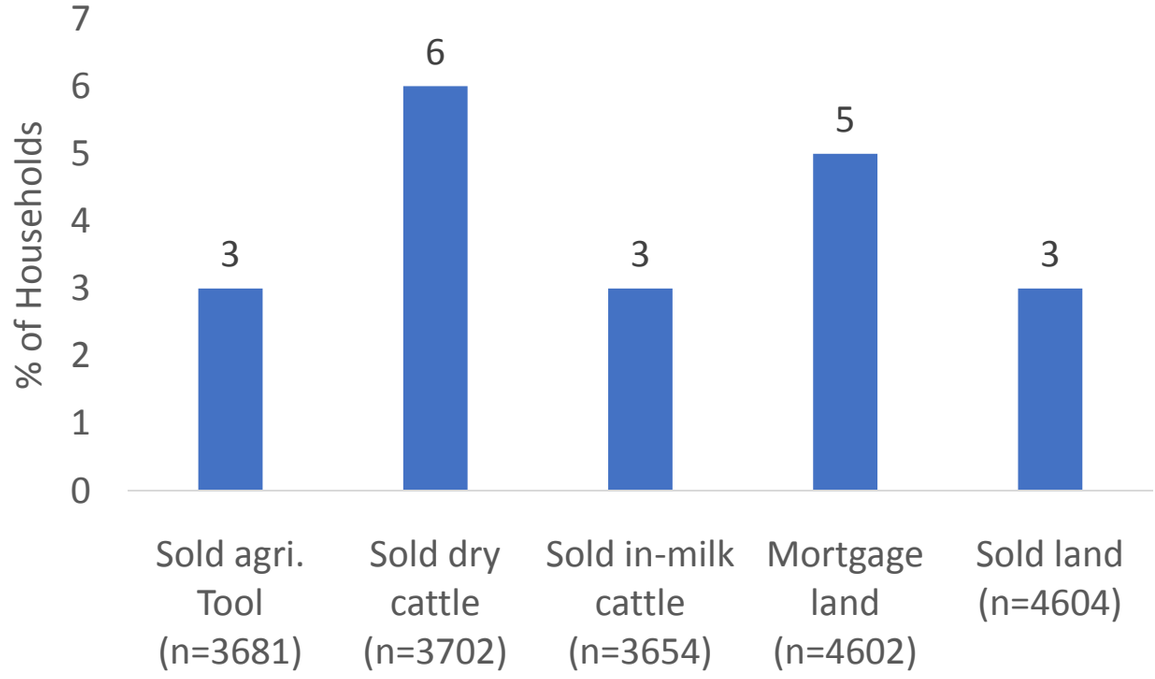

VAF SAMBODHI

निष्कर्ष (1/2)

- रबी से अधिक खरीफ स्टॉक पर परिवारों का भरोसा हुआ है - लेकिन यह स्टॉक अब घट रहा है
- परिवार कम भोजन और कम समान का खाने में उपयोग कर रहे हैं और ज़्यादातर पीडीएस पर निर्भर हैं।
- खरीफ में खाद्य फसल की खेती के लिए पीडीएस के माध्यम से खाद्य समर्थन और संवर्धन की आवश्यकता
- खरीफ 2020 के लिए तैयारी कम है - बीज प्रावधान के संदर्भ में जनता के समर्थन और खरीफ 2020 के लिए ऋण की आवश्यकता है।
- प्रवासियों का बड़ा हिस्सा अभी वापस लौटना है - लेकिन पहले से ही बढ़े हुए कार्यभार से महिलाओं के सामने आने वाले काम में वृद्धि हुई है।

निष्कर्ष (2/2)

- लॉकडाउन और अफवाहों ने वास्तव में आय पर प्रभाव डाला है - डेयरी और पोल्ट्री पर ज़्यादा प्रभाव है
- ज्यादातर भोजन की आदतों में बदलाव और व्यय में कमी के आसपास सामंजस्य रखना होता है
- उधार लिया जा रहा है - अगर तनाव का प्रभाव रहता है, तो ऋण में बढ़त हो सकती है
- एसेट की बिक्री अभी भी कम है - लेकिन कम उत्तरदाताओं द्वारा रिपोर्ट की गई है
- पूर्ण निष्कर्ष - यह समझने के लिए कि देश के आंतरिक स्तर पर और किन तरीके के प्रभाव हो रहे हैं - अधिक सर्वे राउंड की आवश्यकता होगी।